भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

27.11.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1398 का उत्तर

आरपीएफ में महिलाओं की कमी

1398. श्री के. मुरलीधरनः
श्री मितेष पटेल (वकाभाई):

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) में महिला पुलिसकर्मियों की पर्याप्त संख्या है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इन महिला पुलिसकर्मियों को पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 'रक्षक दल' के रूप में चलती रेलगाड़ियों में तैनात किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या महिला यात्रियों को उचित सुरक्षा और संरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से महिला पुलिसकर्मियों की कमी है; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार का महिला यात्रियों के लिए उचित सुरक्षा और संरक्षा सुनिश्चित करने हेतु पर्याप्त संख्या में महिला पुलिस की भर्ती करने का विचार है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

******

Sk

आरपीएफ में महिलाओं की कमी के संबंध में दिनांक 27.11.2019 को लोक सभा में श्री के. मुरलीधरन और श्री मितेष पटेल (वकाभाई) के अतारांकित प्रश्न सं. 1398 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क): जी हां। इस समय, भारतीय रेल पर 2300 से अधिक महिला रेल सुरक्षा बल (रेसुब) कर्मियों की तैनाती की गई है। महिला रेसुब कर्मियों की मौजूदा संख्या के अलावा, 4078 महिला कॉन्सटेबलों और 298 सब इंस्पेक्टर की भर्ती की गई है/पैनल तैयार किया गया है, जिन्होंने अपना प्रशिक्षण आरंभ कर दिया है।

(ख) से (घ): रेलों पर पुलिस की व्यवस्था करना राज्य सरकार का विषय है, इसलिए रेल परिसरों और चलती गाड़ियों में अपराधों की रोकथाम करना, मामलों का पंजीकरण करना, उनकी जांच करना और कानून व्यवस्था बनाए रखना, राज्य सरकारों का सांविधिक उत्तरदायित्व है, जिसका निर्वहन वे राजकीय रेल पुलिस (रारेपु)/जिला पुलिस के जरिए करते हैं। बहरहाल, रेलवे सुरक्षा बल (रेसुब) यात्रियों और यात्री क्षेत्र की बेहतर रक्षा और सुरक्षा करने के लिए राजकीय रेल पुलिस के प्रयासों में सहायता करता है। राजकीय रेलवे पुलिस द्वारा गाड़ी मार्गरक्षण के अलावा, गाड़ियों के मार्गरक्षण के लिए 'रक्षक दल' के रूप में महिला रेल सुरक्षा बल कर्मियों को भी उपलब्धता अनुसार तैनात किया जाता है ताकि महिला यात्रियों की समुचित सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। 150 चलती गाड़ियों में औसतन 344 महिला रेसुब पुलिस कर्मियों को दैनिक आधार पर मार्गरक्षण ड्यूटी के लिए 'रक्षक दल' के रूप में तैनात किया जाता है।

******

Sk